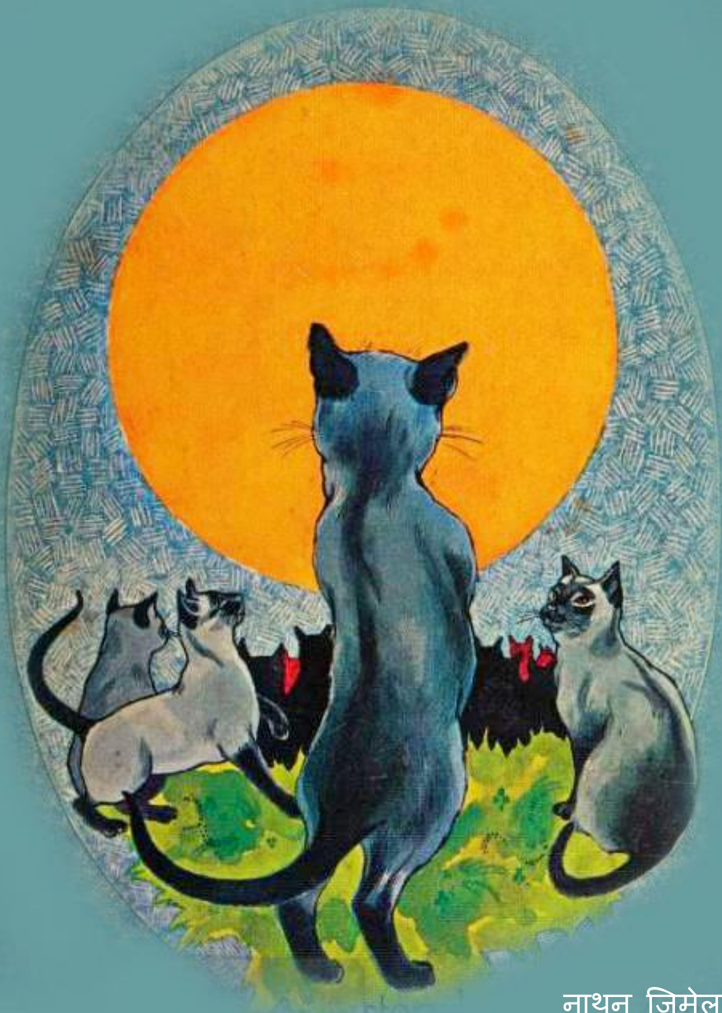
किलकेनी की बिल्लियाँ



नाथन ज़िमेलमैन

चित्र: नैन्सी इंडरिएडेन



किलकेनी की बिल्लियाँ



नाथन ज़िमेलमैन

चित्र: नैन्सी इंडरिएडेन



किलकेनी की बिल्लियाँ चाँद के लिए एक गाना गा रही थीं जो शहर की बाड़ के ऊपर पीला लटका हुआ था.

"पीला-मियाऊं," उन्होंने गाया, "पीला-मियाऊं. पीला-मियाऊं!"

किलकेनी की बिल्लियाँ पिछवाड़े की बाड़ पर बैठ गईं और उन्होंने अपना सिर उठाया और चाँद के लिए गाना गाया. "पीला-मियाऊं, पीला-मियाऊं!"

किलकेनी शहर के ऊपर रात के आसमान में चाँद ऊँचा उठ आया था, लेकिन जैसे-जैसे बिल्लियाँ गाती गईं, चाँद उनका प्यारा संगीत सुनने के लिए नीचे और करीब आता गया. अंत में, चाँद इतना निकट आ गया था कि कई छोटी पीली किलकेनी की बिल्लियों की आंखों ने, उसे पीछे मुड़कर देखा.

और पीले चाँद के लिए किलकेनी की बिल्लियाँ गाती रहीं, "पीला-मियाऊं! पीला-मियाऊं! पीला-मियाऊं!"



मैं उन्हें सुन सकता हूँ. कोई बात नहीं, मैं उन्हें सुन सकता हूं." माइकल मुलदून अपने बिस्तर पर बैठा. उसने अपने दोनों कान तकियों से बंद किए थे.



"कोई बात नहीं वो कहीं भी हों," माइकल मुलदून ने अपने सिर पर बेड कवर खींचते हुए कहा, "मैं उन्हें सुन सकता हूँ."

"पीला-मियाऊं!" किलकेनी की बिल्लियों ने गाया.

माइकल मुलदून अपने बिस्तर से कूदा. वो आगे-पीछे चला. "पीला-मियाऊं" किलकेनी की बिल्लियों ने गाया. माइकल मुलदून तेज और तेज चलता गया, तेज और तेज चलता गया जब तक उसकी रात की कमीज किसी जहाज के पाल की तरह फूल नहीं गई.



"पीला-मियाऊं," किलकेनी की बिल्लियों ने गाया. "अब बहुत हो गया!" माइकल मुलदून चिल्लाया.

वो खिड़की के पास गया, फिर एक धक्के और जोश के साथ उसने पर्दा हटाया. फिर रात में माइकल मुलदून ने अपना सिर जोर से हिलाया.

"बस करो और शोर खत्म करो!" माइकल मुलदून चाँद और किलकेनी की बिल्लियों को देखकर चिल्लाया.

गोल चाँद बिना पलक झपकाए नीचे की ओर मुस्कराता रहा.

किलकेनी की बिल्लियाँ जोर-जोर से गाती रहीं, "पीला-मियाऊं"

"यह उचित है कि मैं यहाँ तक आया हूं," माइकल मुलदून ने कहा, "लेकिन अगर वो बदला चाहती हैं, तो बदला उन्हें मिलेगा."

अपने बाएं पैर से माइकल मुलदून ने एक चप्पल निकाली, और अपने दाहिने पैर से उसने दूसरी चप्पल निकाली.

"पीला-मियाऊं," किलकेनी की बिल्लियों ने गाया.

माइकल मुलदून ने चप्पलों को अपने सिर के ऊपर पकड़कर रखा था. उसकी चप्पलें किसी गधे के कानों की तरह लग रही थीं.

"वे बड़ी जिद्दी हैं," माइकल मुलदून ने कहा, "वे अड़ियल जीव हैं और कोई तर्क करने को तैयार नहीं हैं. जाओ यहाँ से भागो!" माइकल मुलदून चिल्लाया.

उसकी चप्पलें खिड़की से बाहर, चाँद के पास और उस बाड़ के ऊपर से उड़ीं जहाँ किलकेनी की बिल्लियाँ बैठी थीं.



और फिर तुरंत ही बिल्लियाँ चली गईं, और उसके बाद बाड़ पर सन्नाटा छा गया, और किलकेनी शहर के ऊपर आसमान में चाँद ऊँचा और पीला दिखाई देने लगा.

फिर माइकल ने खिड़की को नीचे किया और सिर्फ एक इंच की झिरी खुली छोड़ी. फिर एक गहरी सांस लेने के बाद, माइकल मुलदून मुस्कुराता हुआ बिस्तर पर लेट गया.

"क्या मैंने उन्हें नहीं दिखाया कि क्या, क्या है, और कौन, कौन है," उसने खुद से कहा. फिर वो अपने तकिए पर सिर रखकर सो गया.

"पीला-मियाऊं!" किलकेनी की बिल्लियों ने पिछवाड़े की बाड़ के ऊपर-नीचे, और पीले रंग के लटकते चाँद को देखकर गाया.

"कौन, कौन है और क्या, क्या है?" माइकल मुलदून बिस्तर पर एकदम सीधा बैठ गया.

"पीला-मियाऊं!" किलकेनी की बिल्लियाँ गाती रहीं.

"कल! कल ज़रूर आएगा, बस आपको उसकी प्रतीक्षा करनी पड़ेगी," बेड कवर के नीचे से माइकल मुलदून बुदबुदाया, "बस आप कल तक उसकी प्रतीक्षा करें."





सूरज के उगने से कुछ पहले ही माइकल मुलदून सड़क पर दिखाई दिया, उसकी टोपी उसके सिर पर मजबूती से टिकी थी. दाएं-बाएं के लोगों से "शुभ दिन" न कहते हुए, माइकल मुलदून सीधा आगे बढ़ा, जब तक कि उसे अपने सामने एक कुत्ते के आकार का लटका हुआ चिन्ह दिखाई नहीं दिया, जिस पर "हैगर्टी पेट शॉप" लिखा हुआ था.

दरवाजे के ऊपर घंटी बजी "आप कैसे हैं?" और फिर ऐसा चहचहाना, भौंकना और म्याऊँ करना हुआ कि सर्दियों का सबसे ठंडा दिन उनकी सुखद ध्वनि से वसंत में बदल गया.

और तभी दुकान के पीछे से हैगर्टी ख़ुशी-ख़ुशी दौड़ता हुआ बाहर आया. "शुभ दिन," वो चिल्लाया. "आप चाहे बिल्ली हो या कुत्ता या पक्षी, आप जो भी खरीदना चाहें, आप बिल्कुल सही जगह पर आए हैं."





"मैं यहाँ कुछ बेचने के लिए नहीं आया हूँ, हेगर्टी," माइकल मुलदून ने कहा और फिर उसने अपनी टोपी को अपने सिर पर अधिक मजबूती से फिट किया. "मैं यहाँ कुछ खरीदने के लिए आया हूँ. मैं यहाँ पर एक कुत्ता खरीदने के लिए आया हूँ."

हेगर्टी उस और भागा जहाँ कुत्ते बंधे थे.

"कुत्ते से बेहतर कुछ और नहीं होता है," हैगर्टी ने कहा.

चिड़ियाँ चहकती रहीं, बिल्लियाँ चहचहाती रहीं, बन्दर चहचहाते रहे, और मछलियाँ अपने कटोरों में इधर-उधर तैरती रहीं.



हेगर्टी ने कहा, "क्षमा करें," लेकिन एक कुत्ते से बेहतर कुछ भी नहीं होता है. क्या आप यह कुत्ता चाहेंगे."

"यही वो कुत्ता है जो मैं चाहता हूँ," माइकल मुलदून ने आसपास देखा, "लेकिन मुझे यहाँ कोई कुत्ता दिखाई नहीं दे रहा है."

हैगर्टी की दुकान में ऐसा भौंकना पहले कभी नहीं हुआ था.

"क्या क्या?" खुद हैगर्टी भौंका. "कोई कुत्ता नहीं? कभी नहीं, हेगर्टी पालतू जानवर की दुकान के लंबे इतिहास में हमारे पास कुत्तों का इतना प्यारा स्टॉक पहले कभी नहीं था."

"मैं दुनिया का सबसे प्यारा कुत्ता खरीदने के लिए यहाँ नहीं आया हूँ," माइकल मुलदून ने कहा. "मैं दुनिया का सबसे बड़ा, मतलबी और भयानक कुत्ता खरीदने यहाँ आया हूँ."



"फिजगिल्बर्ट डी क्लेयर," हैगर्टी कांप उठा.

"तुम कांप रहे हो, हैगर्टी," माइकल मुलदून मुस्कराया. "क्या वो वाकई में एक भयानक कुत्ता है, हैगर्टी?"

कांपने के कारण हेगर्टी कुछ बोल नहीं सका.

"मैं उसे ले जाऊंगा," माइकल मुलदून ने कहा, "और जल्दी करो, हैगर्टी." हेगर्टी जितना धीरे हो सका, उतनी ही तेजी से चला, और जब वो पिछले दरवाजे पर पहुंचा, तो वो रुक गया और मुड़ा. "वो कॉकर स्पैनियल, एक प्यारा कुत्ता है," उसने कहा. "फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर," माइकल मुलदून ने कहा. फिर हेगर्टी पीछे के कमरे के अँधेरे में गायब हो गया.

एक गुर्राहट और एक चीख़ और जंजीरों की खड़खड़ाहट के साथ फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर बाहर भागा. वो एक छोटे लड़के के दुःस्वप्न जैसा ही विशाल और भयावह था.

"रुको!" हैगर्टी चिल्लाया, और उसने अपनी एड़ी से ज़मीन खोदी.

"उसकी कीमत क्या है?" माइकल मुलदून से पूछा.

"आप जो चाहें दे दें. लेकिन उसे मेरे यहाँ से ले जाएं." स्टोर के आसपास हैगर्टी और फिट्जगिलबर्ट डी क्लेयर चक्कर लगाते रहे.

"यदि तुम रुकोगे, हैगर्टी, तो फिर मैं तुम्हारे हाथ में चाँदी के सिक्के थमा दूँगा," माइकल मुलदून ने कहा.





"चांदी के सिक्के काउंटर पर रख दें," पास से गुजरते हेगर्टी ने कहा, "और मैं आपका धन्यवाद दूंगा अगर आप मेरे हाथों की चेन थाम लें."

"यह रहे पैसे, हैगर्टी." माइकल मुलदून ने तीन चांदी के सिक्के काउंटर पर गिराए.

"यह लो, माइकल मुलदून," हैगर्टी ने हांफते हुए कहा. माइकल मुलदून के साथ-साथ दौड़ते हुए, हैगर्टी ने अपने हाथों की जंजीर छोड़ दी. और फिर वो दूर दरवाजे के बाहर, घंटियों की आवाजों और कुत्तों के भौंकने और बिल्लियों के म्याऊं और पक्षियों के चहकने और बंदरों की चहचहाहट के पास चला था.



सड़क के नीचे फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर ने उड़ान भरी. "रुको!" माइकल मुलदून चिल्लाया. "हम पहुँच गए हैं! माइकल मुलदून के घर!"

लेकिन फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर नहीं रुका, और अगर उसने डाकिए को नहीं देखा होता तो वो कभी भी नहीं रुकता.

डाकिया चलता गया, और उसके पीछे फिट्ज़गिलबर्ट डी क्लेयर दौड़ता गया, और, चेन पकड़े अंत में उन दोनों के पीछे माइकल मुलदून था.

"उससे काम नहीं चलेगा," डाकिया हाँफते हुए बोला. "सीधी रेखा में दौड़ने से काम नहीं चलेगा. मुझे उस पेड़ के चारों ओर चक्कर लगाना होगा."

और पेड़ के चारों ओर वो फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर के साथ दौड़ता रहा. माइकल मुलदून के हाथों की जंजीर को पेड़ के तने के चारों लपेटकर वो उसे तब तक घुमाता रहा जब तक कि उसने खुद को घायल नहीं कर लिया.

"फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर रुक गया है, पोस्टमैन मैक्कार्थी," माइकल मुलदून ने कहा, "इसलिए अब आपको दौड़ने की कोई ज़रुरत नहीं है."

पोस्टमैन मैककार्थी ने कहा, "उसे शुरू करने से बंद करना ज़्यादा आसान है." और फिर वो अपने डिलीवरी राउंड पर चला गया.

एक खींच और धक्के के साथ, माइकल मुलदून ने फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर को पेड़ से खोला, और अधिक धक्के और खींच के साथ, मुलदून के पिछवाड़े में फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर चला गया.

वो एक भौंकने वाला दिन था. वो गुर्राने वाला दिन था. क्या माइकल मुलदून को वो पसंद नहीं आएगा - फिट्ज़गिलबर्ट डी क्लेयर और किलकेनी की बिल्लियों का एक-साथ मिलना.

रात हो गई, और चाँद निकल आया. ऊंचा और पीला चाँद चमक उठा, और अपने बिस्तर में माइकल मुलदून इंतज़ार कर रहा था, सुन रहा था.

बाड़ पर एक सरसराहट और खड़खड़ाहट की आवाज़ हुई.

एक गुर्राहट ने आँगन के अँधेरे को भर दिया.

"जल्द ही," माइकल मुलदून खुद से मुस्कुराया. "जल्द ही कोई बड़ी घटना होगी."

"पीला-मियाऊं," पिछवाड़े की बाड़ पर बैठी किलकेनी की बिल्लियों ने गाया.

"जल्द ही," माइकल मुलदून ने कहा. "कुछ बड़ा होगा."

पीला चाँद नीचे चमक रहा था.

फिट्ज़गिलबर्ट डी क्लेयर यार्ड में बैठा था और उसने अपना सिर उठाया.

"पीला-मियाऊं," फिट्ज़गिलबर्ट डी क्लेयर ने किलकेनी शहर के ऊपर आकाश में चंद्रमा को देखा. "पीला-मियाऊं."

"कल," माइकल मुलदून ने कहा. "कल, मैं उन्हें सब कुछ सिखाऊंगा कि क्या, क्या है, और कौन, कौन है."

"पीला-मियाऊं," किलकेनी की बिल्लियों ने गाया.

"पीला-मियाऊं," फिट्जगिलबर्ट डी क्लेयर ने गाया.

"कल ज़रूर कुछ अलग होगा," माइकल मुलदून ने अपने बिस्तर की चादर के नीचे से विलाप किया.





अगले दिन तब लगभग रात का ही थी जब माइकल मुलदून ने हैगर्टी के दरवाजे पर दस्तक दी. ताला मुड़ने से पहले "रैप-ए-टैप-टैप" से ज्यादा कुछ नहीं हुआ और वहां हैगर्टी खड़ा था.

"मैं आपकी वापसी का इंतजार कर रहा था, माइकल मुलदून," हैगर्टी ने कहा. "आप फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर को वापस ला रहे हैं, मुझे लगता है?"

"आप सही सोचते हैं, हैगर्टी." माइकल मुलदून ने जंजीर खींची, और फिट्जगिलबर्ट डी क्लेयर आया. वो एक वसंत के मेमने जैसा नम्र था. "वो बिल्कुल भी वैसा नहीं निकला जिसकी मुझे तलाश थी."

हेगर्टी ने अपनी आँखों को मला. "क्या यह फिट्जगिलबर्ट डी क्लेयर के लिए सही है? वो बहुत ही शांत लग रहा है!"

"आप कह सकते हैं," माइकल मुलदून ने कहा. "कि रात को उसका भी बाजा बज गया! मैं पैसे वापिस करने के लिए आपको धन्यवाद दूंगा, हैगर्टी."

"मैं आपको धन्यवाद दूंगा, माइकल मुलदून." हैगर्टी फिट्ज़गिल्बर्ट डी क्लेयर के पास झुका और उसने उसके सिर पर सावधानी से हाथ रखा.

"क्या तुमने देखा!" हैगर्टी ने अपना हाथ ऊपर उठाया. "उस पर दाँत का एक भी निशान नहीं है."

मुलदून टहलता हुआ उस जगह गया जहाँ हेगर्टी ने बिल्लियाँ रखी थीं. "हैगर्टी," उसने कहा, "क्या कोई ऐसी चीज है जो इस तरह की बिल्लियों को पैक करके कहीं दूर भेज सके?"

"पैकिंग?" फिट्ज़गिलबर्ट डी क्लेयर को थपथपाते हुए हैगर्टी ने ऊपर देखा. "क्या आप मुझसे एक बिल्ली को टोकरी में पैक करने को कह रहे हैं?"

माइकल मुलदून ने कहा, "हेगर्टी मैं आपसे पूछ रहा हूं, क्या कोई ऐसी चीज है जो बुरे समय में कोई व्यक्ति इन प्रिय प्राणियों को दूर भगाने के लिए उपयोग कर सके."



मिर्च

"और भला कोई ऐसा क्यों जानना चाहेगा?" हैगर्टी से पूछा.

"क्यों, इन प्रिय जीवों की रक्षा करने के लिए, बिल्कुल," माइकल मुलदून मुस्कुराया.

"मिर्च," हैगर्टी ने कहा. "बिल्लियों को मिर्च बिल्कुल पसंद नहीं होती है."



"मिर्च!" माइकल मुलदून चिल्लाया. और फिर वो खुद कोने वाले किराने के स्टोर में गया.

मिर्च से भरा थैला लेकर जल्दी से घर लौटने के बाद, माइकल मुलदून ने पाया कि वो खुद एक ऐसे स्थान पर पहुँच गया था, जहां उसे काफी इंतजार करना था. लंबी सुबह बीत गई, और फिर उसे दोपहर का लंबा इंतजार करना पड़ा, और जब यह हो गया, तो दोपहर शुरू हो गई. लेकिन अंत में शाम होने पर रोशनी फीकी पड़ गई.

धीरे-धीरे, चरमराहट के साथ, माइकल मुलदून के घर का दरवाजा खुला, और माइकल मुलदून का सिर घर से बाहर निकला. उसने दिन की समाप्ति और अँधेरे की शुरुआत होते हुई देखी.

"कुछ काम उजाले में किए जाते हैं," उसने कहा, "और कुछ अंधेरे में."

सूरज अपनी आखरी नारंगी किरणें फेंक रहा था, और फिर हर जगह अंधेरा छा गया.

माइकल मुलदून दबे पाँव अपने घर से निकला.

"कुछ चीज़ें जोर से टकराकर हासिल की जाती हैं," उसने कहा, "और कुछ चीज़ें दबे पांव हासिल की जाती हैं."

माइकल मुलदून रुका और उसने दुनिया के चारों कोनों को अपनी उंगली से इंगित किया.

"कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें हवा चला सकती है," उसने कहा, "और कुछ चीजें हैं जो हवा के झोंके के बिना भी बहुत अच्छी तरह काम करती हैं."

अंधेरे में कोई हवा नहीं थी, और किसी ने भी माइकल मुलदून को बाड़ के साथ-साथ चलते हुए नहीं सुना और मिर्च को अपने थैले से छिड़कते हुए नहीं देखा.

माइकल मुलदून ने वो करने के बाद कहा, "अब मैं इंतज़ार करूँगा."

चाँद रात के आकाश में, ऊँचा और पीला था.

"लेकिन प्रतीक्षा लंबे समय तक नहीं करनी पड़ी." माइकल मुलदून अपने घर में और अपने शयनकक्ष तक भागा.

चाँद पिछवाड़े की बाड़ पर खड़ा था, एकदम पास और पीला.

एक सरसराहट और खड़खड़ाहट की आवाज़ हुई.

"वे आ रही हैं - वे आ रही हैं," माइकल मुलदून फुसफुसाया.

बाड़ पर खरोंच की आवाज़ें थीं.

माइकल मुलदून खिड़की के करीब खड़ा हो गया.

और फिर रात की तेज हवा में झोंके उठे और उन्होंने बाड़ का चक्कर लगाया, और फिर मिर्च के हर कण को उठाकर हवा ने उसे माइकल मुलदून की नाक के नीचे जमा कर दिया.
"आह-आह-आह-आह-छू!!!" पीला चाँद चमक रहा था. चाँद बाड़ के इतने निकट कभी नहीं चमका था. फिर स्पष्ट और उच्च गीत के सुर सुनाई दिए. "पीला-मियाऊं."

"आह-आह-आह-छू," माइकल मुलदून ने अपने बिस्तर की चादर के नीचे से छींका. "कल ज़रूर अलग होगा."





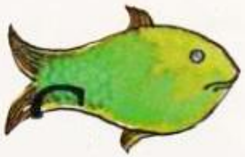
"लेकिन कल का दिन आज से अलग कैसे होगा?" माइकल मुलदून ने नाश्ते की टेबल पर अपने आप से पूछा. वो टेबल पर बैठे हुए अंडे परोस रहा था और दूर की सोच रहा था, टोस्ट पर मक्खन लगा रहा था पर दूर की सोच रहा था, ब्रेड पर जैम फैला रहा था पर दूर की सोच रहा था.

"यह बात नाश्ते की मेज पर नहीं सोची जानी चाहिए." माइकल मुलदून ने खुद को उस विचार से दूर भगाया. "देखो, सोचने के लिए चलना आवश्यक होता है. लेकिन यहाँ एक अजीब बात है! जहाँ बैठना काफी आसान होता है, वहाँ खड़े होने में कठिनाई होती है."

माइकल मुलदून ने मेज की ओर देखा. "और सारा खाना कहाँ गया?" उसने पूछा. फिर उसने खुदको नीचे झुककर देखा.

"वो सारा खाना तुम्हारे अंदर है, माइकल मुलदून," उसने उत्तर दिया. "फिर इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि तुम हिल तक नहीं पा रहे हो."

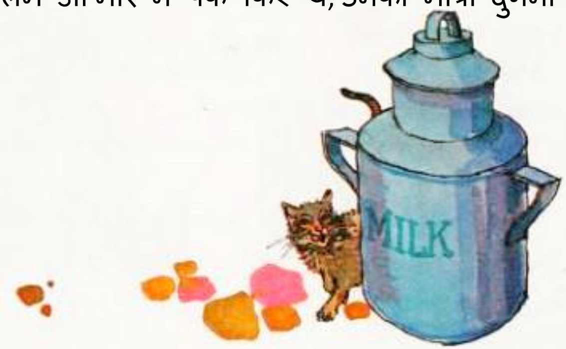
"हिल नहीं सकता. हिल नहीं सकता. बस!" माइकल मुलदून चिल्लाया. "उन्हें भरपेट खिलाओ और जब वे चल न सकें, तो उन्हें इतनी दूर पैक करके भेज दो कि वे कभी वापस न आ सकें."



इसलिए वह मैजिनिस के पास गया, जो बड़े-बड़े झींगे और सबसे रसीली मछलियाँ बेचता था. फिर वो रोरी ओ'डॉनेल के पास गया, जो जानता था कि पानी, पानी होता था और वो दूध में मिलाने के लिए नहीं होता था.

उसके बाद, वो फेलिम ओ'मोरे के पास गया, जिसकी मांस की दुकान कभी किलकेनी की बिल्लियों का एक पसंदीदा मिलने का स्थान था. माइकल मुलदून ने फेलिम ओ'मोर से कहा, "जो कुछ भी उन बिल्लियों को पसंद हो, मुझे उसकी दोगुनी मात्रा चाहिए."

फिर, सामान के ऊंचे ढेर के साथ वो वापस घर पहुंचा और उसकी सुबह बहुत व्यस्त रही. माइकल मुलदून के पास जितनी भी प्लेटें थीं, वे झींगा और दूध से भरी हुई थीं और उन स्वादिष्ट व्यंजनों जो फेलिम ओ'मोरे ने पैक किए थे, उनकी मात्रा दुगनी थी.







फिर माइकल मुलदून अहाते में इधर-उधर दौड़ता रहा. उसने एक थाली इधर और एक थाली उधर रखी, जब तक कि प्लेटों के कारण घास लगभग दिखाई ही नहीं दी.

"मैं यहीं से देखूंगा," माइकल मुलदून ने एक बड़ी झाड़ी के पीछे छिपते हुए कहा. "जब वे छककर खा चुकेंगी, तब मैं उनके बीच से निकलूंगा, और उन्हें किसी दूर स्थान पर ले जाऊँगा."

सूरज ने, किलकेनी की बिल्लियों को इस बात की खबर दी.

"माइकल मुलडून के घर पर खाने के लिए झींगा, हलिबूट और सैल्मन मछलियां हैं. ठंडा और गाढ़ा दूध है जो बिल्लियों की मूंछों से चिपक जायेगा," सूरज ने किलकेनी की बिल्लियों को इस बात की खबर दी. "भागो, फेलिम ओ'मोर के घर से भागो," सूरज ने कहा. "जहां दो-गुना ज्यादा खाना है, वहां जाओ. माइकल मुलदून के घर दौड़ो."

किलकेनी की बिल्लियाँ बाड़ के ऊपर से बहती हुई और यार्ड के ऊपर से उन प्लेटों तक फैल गयीं जिन्हें माइकल मुलदून ने अपने बगीचे में फैलाया था.

"ज़रा उनके खाने के स्वादिष्ट तरीकों को तो देखो," माइकल मुलदून ने झाड़ी के पीछे से कहा. "वे इस तरह के विनम्र शिष्टाचार से कभी भी अपना पेट नहीं भर पाएंगी."

फिर उसने सुना, "मियाऊं."

"वो क्या है? उनमें से एक बिल्ली मेरे शरीर से रगड़ रही है!" माइकल मुलदून ने कहा.



"मियाऊं," बिल्ली ने कहा.

"वो मुझे धन्यवाद दे रही है," माइकल मुलदून ने कहा. वो बिल्ली की ओर झुका. "ठीक है, वे जो कुछ भी हों. लेकिन आभार व्यक्त करने वाले प्राणी की तारीफ़ में बहुत कुछ कहा जा सकता है," माइकल मुलदून ने बिल्ली को थपथपाते हुए कहा.

जैसे ही उसने एक बिल्ली को थपथपाया तुरंत दूसरी उसके हाथ के पास आई, और फिर तीसरी, फिर चौथी.

और जब माइकल ने थपथपाना समाप्त किया और सफेद, खाली चमकने वाली प्लेटों को इकट्ठा करना शुरू किया, तो किलकेनी की बिल्लियाँ माइकल मुलदून को यार्ड में से, उसे सीधे उसके घर में ले गईं.



घर का ऐसा कोई कोना नहीं था जिसे उन्होंने खोज न निकाला हो, और अगर कभी थोड़ा सा भी सन्नाटा था, तो वो किलकेनी की खुश बिल्लियों के सामने भाग गया था.

किलकेनी की बिल्लियों ने माइकल मुलदून का वो दिन बेहद उज्ज्वल बनाया. वो जहां भी गया, उसने बिल्लियों को वहां पाया, वो वहां बैठी और छिपी थीं. जब माइकल काम कर रहा था तो भी बिल्लियां उसे देख रही थीं, और जब वो काम से रुकता तो वे उसके चारों ओर इकट्ठी हो जातीं और उसके आसपास मँडराने लगती थीं.

माइकल मुलदून के जीवन में उस दिन जैसा दिन पहले कभी नहीं आया था. और जब उसने सोचा कि उसका दिन उज्ज्वल रूप से शुरू हुआ है, तभी दरवाजे पर किलकेनी की बिल्लियाँ खड़ी थीं, जो चाँद और रात के साथ अपनी मुलाकात के लिए बाहर निकलने का इंतज़ार कर रही थीं.







"आप कभी भी लौटें आपका स्वागत होगा," माइकल मुलदून ने दरवाजे से गुजर रही किलकेनी की बिल्लियों से कहा. और जब वे वहां से गुजरीं, तो बिल्लियों ने खुद को माइकल मुलदून से रगड़ा और "मियाऊं" कहा, जो उनके कहने का तरीका था, "हम कल फिर आएंगे."

उस रात सोने से पहले, माइकल मुलदून ने अपने शयनकक्ष की खिड़की जितना खुल सकती थी उसे उतना ऊपर उठाया और चांद के आने पर बाहर खड़े होकर देखा.



"आज चांद भव्य, नीचे और पीला होगा," माइकल मुलदून ने खुद से कहा. "और वो मेरे सोने का समय भी होगा."

माइकल मुलदून बिस्तर पर लेट गया, लेकिन उसे नींद नहीं आई. इसके बजाए, वो अपने तकिए पर पीछे झुका और प्रतीक्षा करने लगा.

एक सरसराहट और खड़खड़ाहट की आवाज़ हुई.

बाड़ पर खरोंच की आवाज़ थी.

फिर साफ और स्पष्ट गाना. "पीला-मियाऊं! पीला-मियाऊं!"

"हालांकि कुछ लोगों को शायद वो अच्छा न लगे," माइकल मुलदून मुस्कुराया, "लेकिन अगर उन्हें सही तरीके से सुना जाए, तो क्या उनकी आवाज़ प्यारी नहीं है?"

और फिर मुस्कुराते हुए, माइकल मुलदून, किलकेनी की बिल्लियों का गायन सुनते हुए सो गया.

''पीला-मियाऊं!.''

"पीला-मियाऊं!"

